



## महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

**Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya**

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

### हिंदी विश्वविद्यालय ने रैंकिंग में लगाई छलांग

वर्धा, 24 जून 2021 : एजुकेशन वर्ल्ड (ई. डब्ल्यू) ने विभिन्न श्रेणियों में उच्च शैक्षणिक संस्थानों को व्यापक मानकों पर उनके प्रदर्शन के आधार पर 'ई. डब्ल्यू इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग 2021-22' जारी की है। भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग का यह लगातार आठवां संस्करण है। नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (केंद्रीय विश्वविद्यालय) ने इस वर्ष की रैंकिंग में जबर्दस्त छलांग लगाई



है। 2020 में विश्वविद्यालय जहाँ 120 वें स्थान पर था, वहीं इस वर्ष की रैंकिंग में इसे 76 वां स्थान प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही महाराष्ट्र के पहले 10 संस्थानों में भी विश्वविद्यालय ने जगह बनाई है।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष की रैंकिंग के लिए भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों का सर्वेक्षण डिजिटल मीडिया के माध्यम से एक संरचित प्रश्नावली का उपयोग करके किया गया था जिसमें देश भर के उच्च शिक्षा संस्थानों के 1823 चयनित शिक्षकों एवं अंतिम वर्ष के 2133 विद्यार्थियों से संपर्क कर उनका साक्षात्कार लिया गया एवं उच्च शिक्षा की उत्कृष्टता के छह मापदंडों संकाय व शिक्षकों की गुणवत्ता और अनुसंधान तथा नवाचार, उद्योगों के साथ संबंध आधारभूत संरचना, भौतिक व अकादमिक संसाधन व सुविधाएं, प्लेसमेंट, उद्यमिता, विकास कार्यक्रमों की विविधता, आदि के अंतर्गत उन्हें दस अंकों के पैमाने पर मूल्यांकन करने के लिए कहा गया। इस प्रकार प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर उच्च शिक्षा संस्थानों व विश्वविद्यालयों

को विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया। इस प्रकार की रैंकिंग से नवांतुक विद्यार्थियों को विभिन्न मापदंडों के आधार पर विश्वविद्यालयों का चयन करने में सहायता मिलती है। साथ ही इस रैंकिंग के माध्यम से



विश्वविद्यालयों को विभिन्न रैंकिंग मापदंडों पर अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने और अपनी क्षमताओं एवं खामियों की पहचान कर सुधार करने में मदद मिलती है।

विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य रजनीश कुमार शुक्ल ने इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि अगले वर्ष रैंकिंग में विश्वविद्यालय और सुधार करेगा। उन्होंने कहा कि ज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग गुणवत्ता के लिए की जा रही है और यह वास्तव में हम सभी के लिए प्रोत्साहन का एक स्रोत है। उन्होंने कहा कि रैंकिंग में सुधार के लिए ज्यादातर संस्थान खुद को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रो. शुक्ल ने कहा कि भारत के सामने एक बड़ी चुनौती गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करना है। इस समस्या को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में पहचाना गया है तथा वर्ष 2035 तक 50 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रोफेसर शुक्ल ने आशा व्यक्त की है कि इस रैंकिंग से विश्वविद्यालय को स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न रैंकिंग मापदंडों पर अपने बेहतर प्रदर्शन के लिए मदद मिलेगी एवं विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहेगा तथा स्थानीय आवश्यकता आधारित, सामाजिक रूप से प्रासंगिक एवं राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण शिक्षा प्रदान करने की आकांक्षा को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा।

## **Hindi Varsity made a tremendous jump in the rankings**

Wardha, June 24 : The “EW India Higher Education Rankings 2021-22” has been released by Education World to higher educational institutions in various categories based on their performance on broad parameters. This is the eighth consecutive edition of the ranking of higher education institutions in India. Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha. A Central University Established by parliament by Act No. 3 of 1997 has made a tremendous leap in this year's ranking. While the university was ranked 120th in 2020, it has been ranked 76th in this year's rankings. Along with this, the university has also made it to the top 10 institutes of Maharashtra. Needless to mention that NAAC has already Accredited Hindi Varsity as ‘A’ Grade.

For this year's ranking, the Higher Education Institutions of India was surveyed through digital media using a structured questionnaire in which 1823 selected teachers and 2133 final year students of higher education institutions across the country were contacted. They were interviewed and assessed on the parameters of excellence in higher education – the quality of faculty and faculty and research and innovation, industry interface, infrastructure, physical and academic resources and facilities, placements, entrepreneurship development programmes, etc. Based on the analysis of the data thus obtained, the higher education institutions and universities were classified into different categories. This type of ranking helps the budding students to select universities based on various parameters. Also, through this ranking, universities are helped to improve their performance on various ranking parameters and improve by identifying their strengths and weaknesses.

On this occasion the Vice-Chancellor of the University, Prof. Rajaneesh Kumar Shukla said that – Higher Educational institutions Rankings are a very important service for promoting institutional excellence and improving the quality of teaching, learning and research. They also facilitate international collaborations and perhaps most important, enable students to make informed choices for attaining their academic aspirations. They also motivate education institutions to formulate sound policies and develop robust teaching and research ecosystems.

Higher education institutions are being ranked for quality in the field of knowledge and it is indeed a source of encouragement for all of us. He said that this initiative has inculcated the habit of data management in the institutions and most of these institutes are trying to make themselves more competitive. One of the biggest challenges before India is to provide quality higher education. Prof. Shukla expressed hope that this ranking would help the University to perform better on various ranking parameters at the National and International level with a healthy competitive spirit and the University would continue to achieve its goal of excellence in the field of higher education.